Dr. R.S. Tolia,
Chief Secretary.

उत्तरांचल शासन

अ.शा.पत्र सं. 170/परि./435/20
Uttaranchal Secretariat
4- Subash Road, Dehradun
Phone: off : 0135-2712100
0135- 2712200
Fax : 0135- 2712500

As you may be aware that the Yatra season of 2004 will start shortly within a few days with the opening of the holy shrines of Badrinath, Kedarnath, Gangotri and Yamnotri. Many pilgrims from your state visit Uttaranchal during the Yatra season, some of whom make their own transport arrangements.

In the past, apart from accidents, many of the pilgrims faced difficulties due to non-adherence to the basic rules and the technical requirements of the vehicles for traveling on hill roads.

In view of above, the Transport department of the Government of Uttaranchal has prepared a list of Do's and Don'ts for the information and guidance of transports and pilgrims (copy enclosed). These had been sent to the Transport Secretary, Transport Commissioner and the managing Director of State Road Transport Corporation of your State through the letter no.167/PARI/435/2004 dated: 06April,2004 from Principal Secretary Transport Govt. of Uttaranchal. It is requested that wide publicity may be given to this. In this context, you may also consider having these "do's and don'ts" publicized through the local media.

Encl:As above.

Yours Sincerely,

(Dr. R.S. Tolia)

All Chief Secretaries (By Name)

चार धाम यात्रा–2004 में आपका स्वागत है।

उत्तरांचल राज्य में आने वाले पर्यटक तथा तीर्थ यात्रियों एवं यात्रा वाहनों के सम्बन्ध में यात्रा अवधि के दौरान पर्वतीय मार्गों पर यात्रा सम्बन्धी सुझाव

करें

1– पर्वतीय मार्गों पर 108 इंच से अधिक व्हीलबेस एवं 60 प्रतिशत से अधिक ओवर हैंग की वाहन में यात्रा अनुमन्य नहीं है।

2– पर्वतीय मार्गों पर अनुभवी एवं दक्ष चालक के साथ ही यात्रा करें।

3– चालक प्रत्येक यात्री वाहन में यात्रियों की सूची अपने पास रखें।

4– पर्वतीय मार्गों पर चढ़ाई की ओर जाने वाली वाहनों को पहले जाने के लिये रास्ता दें।

5– वाहन में फर्स्ट एड बाक्स तथा लकड़ी के गुटके अवश्य रखें।

6– पर्वतीय मार्गों पर वाहन तकनीकी रूप से ठीक होना आवश्यक है। विशेष रूप से इंजन ऑयल, कूलेन्ट, बैटरी, ब्रेक, टायर, स्टेयरिंग आदि की जांच आवश्यक है।

7– चालक वाहन के समस्त वैध प्रपत्र रखें।

8– डुप्लीकेट पार्ट्स के स्थान पर ओरिजनल पार्ट्स का ही प्रयोग किया जाये तथा वाहन की मरम्मत कुशल एवं प्रशिक्षित मिस्त्रियों से ही करायें।

9– वाहनों में अनिवार्य रूप से बैक लाईट एवं स्टॉप लाईट्स पृष्ठ भाग में कार्यशील हालत में लगाये जायें।

10– प्रत्येक चालक द्वारा समय–समय पर अपने नेत्रों की जांच करायें।

11– पर्वतीय मार्ग पर यात्रा से पूर्व प्रदेश के सार्वजनिक सेवा यान द्वारा हरिद्वार, ऋषिकेश या देहरादून स्थित किसी एक परिवहन कार्यालय से ग्रीन कार्ड अवश्य प्राप्त करना होगा। यह ग्रीन कार्ड वाहन के परीक्षण के पश्चात दिया जाता है तथा यह वाहन के पंजीयन प्रमाणपत्र, वैध परमिट, बीमा प्रमाणपत्र, कर जमा प्रमाणपत्र, चालक/ परिचालक के लाईसेन्स का संकलित विवरण होता है।

12– पर्वतीय मार्गों में मोड़ों पर हार्न का प्रयोग अवश्य किया जाए।

13– वाहन को पार्क करते समय हैण्ड ब्रेक का प्रयोग अवश्य करें।

14– टूरिस्ट बसों में आपातकालीन दरवाजा होना आवश्यक है।

न करें

1– किसी भी दशा में प्राईवेट वाहनों में किराये की सवारी के रूप में तीर्थ यात्री नहीं ढोये जाएंगे अतः अनाधिकृत वाहन से कदापि यात्रा न करें।

2– अप्रशिक्षित चालक या चालक के सहायक द्वारा वाहन न चलाया जाए।

3– पर्वतीय मार्गों पर प्रातः 5 बजे से पूर्व एवं सायं 7 बजे के बाद वाहन न चलायें।

4– पर्वतीय मार्ग घुमावदार और सीधी चढ़ाई वाले संकरिल मार्ग हैं अतः तेज गति से वाहन न चलायें।

5– चालक चप्पल पहन कर वाहन न चलायें। वाहन चलाते समय चालक द्वारा जूते अवश्य पहने जायें।

6– चालक से आठ घण्टे से अधिक स्टेयरिंग ड्यूटी न लें।

7– इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि वाहन शराब या अन्य किसी नशीले पदार्थ का सेवन किये हुए व्यक्ति द्वारा न चलाया जाए।

8– मार्ग पर गतिमान वाहनों में चालक द्वारा रेडियो या टेपरिकार्डर का संचालन नहीं किया जाए।

9– वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक यात्री या सामान न ले जायें जाएं।

10– ट्रकों या यूटीलिटी वैनों में यात्रा न करें।

11– पर्वतीय मार्ग पर वाहन में रिट्रेडेड टायरों का प्रयोग न करने की सलाह दी जाती है।

12– वाहन में चकाचौंध करने वाली बत्तियों का प्रयोग नहीं करें।

13– सामने वाले वाहन से पास लिये बिना ओवरटेक नहीं करें। ओवर टेक करते हुये वाहन को कदापि ओवरटेक नहीं करें।

14– मिट्टी का तेल/गैस/पेट्रोल/डीजल आदि ज्वलनशील पदार्थ वाहन में न ले जाये जायें।

जनहित में परिवहन विभाग, उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रसारित

दूरभाष संख्या– 0135–2761555, 2712092

Welcome to Yatra 2004

Some Do's and Don'ts for traveling on hill routes during Yatra season

Do's	Don'ts
1- The big sized vehicles with wheel base more than 166 inches and overhang more than fifty percent <u>are not allowed</u> in Yatra routes and on hill routes.	1-Don't travel in un-authorized vehicles such as private vehicles plying as un-authorized commercial vehicles on hire and reward.
2-The driver should be experienced and efficient for driving on hill roads.	2-The vehicle should not be driven by inexperienced person or by the helper of the driver.
3-Driver should have the complete list of the passengers traveling in the vehicle.	3- Do not drive before 5 A.M. or after 7 P.M. on hill routes.
4-The descending vehicle on the slopes should give way to ascending vehicle.	4-Don't drive in excessive speed since hill routes may be narrow and steeply ascending and descending with bends.
5-First Aid Box and wooden blocks should always be kept in the vehicle.	5-Driver should not wear Rubber sleepers while driving, instead the shoes shall be worn by the driver while driving.
6-The vehicle should be technically fit for the hill journey. Before start your journey specially check the Brakes, steering, level of Engine oil & coolant.	6-Driver should not perform more than eight hours as steering duty in a day.
7- It is advisable to use genuine parts during the repairs of the vehicle and the vehicle should be repaired by the technically skilled persons only.	7-Special care be taken to ensure that the vehicle is not driven by a person under the influence of liquor or any drugs.
8- All valid documents related to vehicle and driver should be with the driver.	8- Driver should not operate tape or radio etc in a moving vehicle.
9- Backlights and stoplights in working condition should be fixed on the rear part of the vehicle.	9- Loading of passengers or goods beyond permissible limits should be strictly avoided.
10-Periodical eye test is advised to every person driving a vehicle.	10- Passenger should not travel in Goods vehicles such as trucks, utility van etc.
11-All commercial passenger vehicles should invariably obtain the GREEN CARD from either of the transport office at Haridwar, Rishikesh or Dehradun, before starting the hill journey. The green card is given after technical examination of vehicles and it is a compilation of the registration certificate, valid permit, insurance certificate, Tax payment certificate, driving and conductor's license.	11- It is advisable not to use the re-treated tyres on the hill roads.
12-Always use the horn on the bends.	12- Don't use dazzling headlights in your vehicle
13- While parking the vehicle always apply the hand brakes.	13- Do not overtake without taking pass from the vehicle in front. Never overtake an overtaking vehicle
14- There should be an emergency door in Tourist buses.	14- Don't carry inflammable good or articles as kerosene/ gas/petrol/Diesel.

Issued in public interest by Transport Department, Govt. of Uttaranchal

Phone number: 0135-2761655, 2712092